॥ श्री: ॥ पौष कृ. २ भौमे सं० २००७

अनन्त श्री पूज्य पाद बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशल मस्तु। पौष कृष्ण ७ रवि तक सन्देश की प्रतीक्षा कर १९ दिन यहां (देहली) निवास पर पहुंचने पर पत्र मिला। ३१० रु. ३ प्रे० को ही आदेशानुसार पु. लि. जी को दे आया हूं। श्री शास्त्री जगदीश चन्द्र जी के समीप मैं और श्री बांके लाल जी एक दिन गये थे उस समय वे अध्यापन में लगे थे अतः न मिल सके अब मैं और श्री L. C. दोनों ही आज कल में उनसे मिल कर क्या मिलेगा पूछ लेंगे।

श्री डा० श्रीनाथ जी भी इन दिनों देहली में ही कार्य कर रहे हैं एक दिन मुझे दर्शन दे गये हैं।

श्री बांके लाल जी आपके दर्शनों को बार २ पूछते थे अब उनसे पुन मिलन की आशा है, दुःखी रहते हैं राज कुमार और माता जी गांव में हैं शेष परिवार यहां उनके समीप है एक पुराने मित्र के साथ उन्हीं के क्वार्टर में हैं। "दुर्गा सदन" भी बन्द कर दिया है।

श्री १०८ मान्य स्वामी शिवानन्द जी महता मोटर वर्कशाप, रोशन आरा रोड, सब्जी मण्डी - गृहांक ४७४० में विराजते हैं उन्होंने ता. २८-१२-५० के पत्र में पौष

श्री कस्तूरी लाल जी को भी आज पत्र लिखूंगा

मास यहाँ निवास करने के समाचार लिखे थे, कारण यह हुआ कि मैं उन से पौष कृ. २ सोम को घर चले जाने के लिये कह आया था और यहां म० दिन भी हो गया।
B.P के समाचारों के लिये आप चिन्ता न करें, चरण कृपा चाहिये वह कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

डा. श्रीनाथजी, कविराज विद्यासागर जी गोल मार्केट नई देहली, के साथ अपना कार्य कर रहे हैं, बच्चों को लाने के बारे में भी कहते थे स्यात् ले आये हों, ईशान

की इच्छा है। इन के यमल जनन हुआ है रतों कुमार प्रसन्न हैं।

मैं और L. C. आज प्रातः यहां पहुंचे हैं
मैं ता. १७-१-५१ तक यहां रहूंगा १७ की रात को घर आऊंगा)

श्री [illegible] जी का कोई समाचार नहीं मिला। श्री जोशी जी का आग्रह था कि इन दिनों उनसे मिलूं।
श्री लाला सरदारी लाल जी से सपरिवार जयशङ्कर

आपका
अपना ही हूं मैं

बाँके लाल जी का मकान का पता यह है
C/o
जी. एन. जैन १९ चित्रगुप्त रोड नई दिल्ली

मुझे पत्र आप नीचे लिखित पते पर दें।
C/o
वैद्य पं. गोपीनाथजी चतुर्वेदी - दस्ता भवानी शंकर - कुआवाली गली
गृहांक ११० फतहपुरी देहली

चौबुर्जा
श्री: | भरतपुर
१२-५-६६

अनन्त श्री विभूषित श्री पाद पद्मोंमें कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हो। सर्वत:-कुशलमस्तु | यहांसे पधारनेके पश्चात् कोई कुशल पत्र नहीं सो दें / श्री पं० वलजिन्नाथजी तथा श्री हरिरामजी के पत्र आये हैं सो साथ भेज रहा हूं। मुख पृष्ठ का मुद्रण श्री काशीनाथ जी के यहां कराने ~~का~~ विचार है क्योंकि अब उनका मिस्त्री आगया होगा, श्री पं० खेमचन्दजी विवाहमें गये थे वापिस तो आगये हैं पर मुझे मिले नहीं हैं स्वास्थ्य पहली अपेक्षा तो अब कुछ ठीक है। शेष कुशल है / श्री गिरिराज शरणजीने प्रणाम लिखे हैं श्री पं० दुर्गाजीने प्रणाम भेजे हैं श्री दुर्गाजीके विचार पूना जानेके भी हैं मुझे साथ लेजाना चाहते हैं अभी उनका भी स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

एक पत्र श्री पं. वलजिन्नाथजी ने
श्री कस्तूरीलालजी "आनन्द" को भेज
ने के लिये भेजा है उसे इस समय
उनका पता नहीं मिल रहा है अत:
इस पर उनका पता लिखकर भेज दें
तथा उन्हें भी/मुझे पता मिलने पर
मैं भी लिखूंगा। इन दिनों कहीं
अन्यत्र निवास रहे तो वहां का
पता भी अवश्य लिखें/ श्री वैद्यजी
पं० नित्यानन्दजी, बाँकेलालजी,
राजकुमार, मास्टर, जी, गायत्र्या
चार्यजी आदि सभी प्रेमियों से
यथोचित जय श्रीकृष्ण कहें।

दासानुदासो गोविन्द:



INDIA *Super* TYRES



TELEGRAMS : "LAKHOJI" BHARATPUR.

Dr. R. C. GUPTA & COMPANY,
GANGA MANDIR,
BHARATPUR.

१२-७-४१

श्री जी.

के पूज्य पादपद्मों में अनेक दासानुदास लक्ष्मण
के साष्टांग कोटिश दण्डवत् स्वीकार हों आगे यहां पर
सब राजी खुशी है आपकी ~~राजी खुशी की [illegible]~~
चरण कृपा से सर्व आनन्द है। पंडित जी देहली
~~देहली में~~
है और अभी ५-६ दिन तक रहेंगे। श्री स्वामी शिवा
नन्द जी भी देहली में हैं उन्होंने भी ~~[illegible]~~ अभी किया थी
~~अ~~ विशेष समाचार पंडित जी के पत्र में है। यह पत्र
बहुत जल्दी में लिखा गया है जिससे कृपया गलतियों
व अशुद्धियों को क्षमा करें और कोई मेरे लायक
सेवा हो तो लिखें।

आपका चरणसेवक
[signature]



INDIA *Super* TYRES



THE MARK
OF SERVICE

TELEGRAMS: "LAKHOJI" BHARATPUR.

Dr. R. C. GUPTA & COMPANY,
GANGA MANDIR,
BHARATPUR.

12/1/51.

श्रीमान बाबू [illegible]लाल जी
[illegible]

आज आपकी भेजी हुई पार्सल ऊनी चादर
की आज मिली जिसके लिए आपको अनेक धन्य
वाद है कृपया यह लिखने को और कष्ट करें कि वह
चादर कितने की है और कुछ खर्च क्या पड़ा है ताकि
आपको मंगवाई भी भेज दूं और कोई मेरे लायक
सेवा हो तो लिखें

शुभचिन्तक
[illegible]

CABLES: "LAKHOJI"
BHARATPUR.

DR. R. C. GUPTA & CO.

DIRECT IMPORTERS, CONTRACTORS & REGISTERED DEALERS

BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. .... DATE १०-१ 1952

अनन्त श्री पूज्यपाद

बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशल मस्तु, कृपापत्र गत परसों मिला, श्री स्वाध्याय अभी तक नहीं प्राप्त हुआ है। श्री त्रिवेदीजी ने पत्र में यह अवश्य लिखा था कि गोयल जी को पता लिख दिया है वह मेरे पास श्री स्वाध्याय भेज देंगे किन्तु १०-१२ दिन होगये अभी तक तो आये नहीं। ता· ३-१-५२ को श्री वि·पु· के यहां मैं गया तो था किन्तु आज कल इलेक्शन के कारण उन्हें क्षण मात्र भी अवकाश नहीं है मैं आज भी गया था उन्हें १८-१- तक अनवकाश है इसके अनन्तर ही आज्ञा पालन करूंगा। श्री हरदेवजी को पत्र लिख रहा हूं। किशनजी आजकल २ कर रहे हैं १-२ दिवस में जैपुर जाने वाले हैं ऐसी आशा है। श्री किशनजी को भी लिख रहा हूं। [illegible] से भी बातचीत चल रही है। श्री - मल्याजी को विधान बतला दूंगा। श्री जगन (जैन) जी नहीं मिले मिलने पर [illegible] दूंगा। श्री चम्पालालजी पत्र मिलता है K.T.O

मिल गये उन्हें पत्र दे दिया है। कुवेर अथवा और जो आज्ञा हो तो बता दूं
श्री लक्खोजी सादर साष्टांग प्रणाम कर रहे हैं। तेल पथ्य अभी
नहीं लगा है जप पर स्वीकृति के लिये गया है। आसाम बंगाल
पेपर मिल्स को पत्र लिख रहे हैं, शायद श्री चम्पालालजी ने
लिख दिया है। इनके घर कल्याणी देवी ने गत ७ गुरुवार को
समय प्रातः १० घं० ५८ मि. पर जन्म ग्रहण किया है। पूजा पाठ
ठीक चल रहा है।

मेरा नित्य नियम यथावत् चल रहा है, पुष्यार्क से ब्रह्मचारी
[illegible] कर दूंगा और शांभवी भी कथन वृत्ति होती है
अभी तो यहां कोई साधन स्थान तथा सात्विक सुनने
श्री ट. दे. जी ने अभी कोई पते नहीं भेजे
वि. पु. जी ने पत्र १८-१-के अनुसार भेज दिया
श्री शिवानन्द जी मौ० ५-२ को पधारे थे आज दिल्ली चले गये
श्री बल जिन्नाथ जी का पत्र आया है उन्होंने लिखा है कि
"शासन तन्त्र दिन प्रतिदिन अधिक से अधिक अन्यायत्व की ओर
झुक रहा है खाद्य पदार्थ तथा अन्य आवश्यकता की वस्तुएं
अत्यधिक मंहगी होती जा रही हैं इन दो कारणों ने सारी
प्रजा और विशेष करके आर्य धाम की प्रजा संत्रस्त हो रही है
वसन्त काल से प्रजा के क्लेश अत्यधिक बढ़ जाने का भय है अभी
से ऐसी कन्या के शनि के प्रभाव में हो रहे हैं।" आपके लिये पूछा है
और पुस्तक के प्रकाशन के लिये पूछा है। चरणाश्रित:

गोविन्द

मदन लाल शर्मा

सैक्टर - 37-C

मकान नं - 2660

चण्डीगढ़

श्री-अमृतेश्वर सेवा संस्थान

अमृत पथ-जनता कालोनी-आदर्शनगर- जयपुर

दि० २-५-७५

शुभ सूचना

धर्मानुरागी महानुभावों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि श्री अमृतेश्वर महादेव मन्दिर का स्थापना दिवस समारोह (वार्षिकोत्सव) का आयोजन दि०३-५-७५ से ५-५-७५ तक किया जा रहा है।

अत: इस आयोजन में सम्मिलित होकर भक्ति लाभ कर जीवन सार्थक करें।

(दुर्गादत्त शर्मा)
मंत्री

कार्यक्रम

शनिवार दि०३-५-७५	रात्रि ७।। वजे से	श्री सुन्दरकांड पाठ
रविवार दि०४-५-७५	प्रात: ७।। वजे	कलश यात्रा
	प्रात: १० वजे	श्री गणपति पूजन
	मध्यान्ह ३ वजे से	रुद्रयज्ञ
	रात्रि ८ वजे से	सत्संग एवं संकीर्तन
सोमवार दि० ५-५-७५	प्रात: ७।। वजे से	सहस्त्रघट स्नान-शिवाभिषेक एवं पूर्णाहुति

- - -

श्रीमान्

लाला रतनलालजी A।

जयश्रीकृष्ण। सर्वत्र कुशलम् अस्तु

अभी २ यह पत्र मिला है। आपके समीप इसलिये भेज रहा हूँ कि इसे अनन्तश्री "श्री" जी तक तत्काल पहुँचा दें। उन्हें मेरे कोटिशः प्रणाम निवेदन करें अभी तक कोई कुशल पत्र नहीं आया है। कृपया कुशलपत्र दें शेष कुशल है। गोविन्दः

९-५-८५

समय सायं ४।।।

७६००
८४००
८०००
६५००
४५००
४०००
२४००
२१००
२०००

४२१००

श्री सूरत १२/५-८

परम पूज्य श्री जी ॥ के

चरणों में कोटि २ प्रणाम स्वीकार हो

समाचार ना मैं ता ११/५-८ को डोफ्टर के वार्ड

उपस्थित नही हो सका कारण जो मार्ग सूरत

के [illegible] प्राप्त के उन की तबियत ज्यादा

बिगड़ गई और शीघ्र सूरत की आना पड़ा

अब ता १३/५-८ को मैं सूरत के भरतपुर

जा रहा हूं श्री. पं. को सन्देशा सुनाऊंगा

कृपा कर पत्र भरतपुर के की कृपा

करें जो प्रोग्राम बम्बई की तरफ

का तथा चलने की हो लिखें

की दया करना अपनी कुशलता

श्री पत्र प्रवास के की कृपा करें

श्री० जयपाल जी छावडा

श्री के हपाता जो सादर

तथा उनके सभी परिवार परिचित

अथवा अपरिचित सज्जनों को

भी हमारा जो सादर उनके की कृपा [illegible]

आशा है उन दिन के अपराध

को क्षमा करें गे मजबूर हो गये

के ऐसा बना — आपका ही

[illegible]

[illegible] जैन [illegible] भरतपुर

श्रीः। चौबुर्जा - भरतपुर
१० - २ - ५५

अनन्तश्री पूज्य चरण कमलों में कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत्र कुशलमस्तु। श्री पं० बलजिन्नाथजी के पत्र आपके यहां पधारने के शुभ समाचार मिले थे किन्तु आप न आसके कृपया कुशल पत्र दें। जयपुर से श्री शरणजी का पत्र आया है वे आपके दर्शनों की अभिलाषा करते हैं। आगरे से श्री विलायती रामजी का पत्र आया है वे भी दर्शनों के इच्छुक हैं। प्रयाग से पत्र आया है उसे साथ भेज रहा हूं। पूर्वापेक्षा स्वास्थ्य सुधार धीरे २ होरहा है आशा है कुछ समय पश्चात् स्वस्थ होजाऊंगा। शेष कुशल है। कुशल पत्र अवश्य देने की कृपा करें। श्री पं० बलजिन्नाथजी आदि सभी को जयशंकर।

दासानुदास:
गोविन्द:

ज्वालामुखी से वैद्यजी का पत्र आया है उन्हें भी दर्शनों की बड़ी भारी उत्कण्ठा है।

श्री:। चौकुर्जी - भरतपुर
२० - ५ - ५८

अनन्त श्री विभूषित
श्री पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: - कुशल मस्तु। आज कृपा पत्र मिला प्रसन्नता हुई आपने - अपने स्वास्थ्य बारे में कुछ नहीं लिखा। श्री जैन सा० का विचार का विचार ता. २३ को यहां से सूरत जाने को है, जैसा निश्चय होगा पत्र द्वारा सूचना दी जायगी। शेष कृपा। जैन सा. प्रणाम करते हैं। आपका - गोविन्द:।
सभी का सादर प्रणाम स्वीकार हो।